राष्ट्रपति पदक हेतु बिहार के 29 पुलिसकर्मियों के नामों की अनुशंसा

चर्चा में क्यों?

28 नवंबर, 2022 को मीडिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार सरकार के द्वारा राज्य के 29 पुलिस अफसरों और कर्मियों के नामों की अनुशंसा राष्ट्रपति पदक के लिये की गई है।

प्रमुख बिंदु

- गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति के द्वारा दिये जाने वाले पदक के लिये जिन पुलिसकर्मियों को पात्र समझा गया है उनके नामों को बिहार सरकार के द्वारा गृह मंत्रालय भेजा गया है। इनमें विशिष्ट और सराहनीय सेवा पदक के लिये अनुशंसा की गई है।
- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विशिष्ट सेवा पदक के लिये 7 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के नाम तथा सराहनीय सेवा के लिये 22 पुलिसकर्मियों के नाम भेजे गए हैं। विशिष्ट सेवा पदक कैटेगरी में कुल 7 अफसरों के नामों में तीन आइपीएस अधिकारी और चार दूसरे रैंक के अधिकारी शामिल हैं।
- आइपीएस अधिकारी एडीजी रवींद्रन शंकरण, एडीजी पारसनाथ और एडीजी बच्चु सिंह मीणा और चार दूसरे रैंक के अधिकारी विनय कुमार शर्मा, बिनय कृष्ण, दिलीप कुमार सिंह एवं रंजीत कुमार के नामों की अनुसंशा की गई है।
- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सराहनीय सेवा पदक के लिये जिन पुलिसकर्मियों के नामों की अनुशंसा की गयी है उनमें रुपेश थापा, संजय कुमार चौरसिया, संजय कुमार, मुख्तार अली, धनंजय कुमार, धर्मराज शर्मा, बैद्यनाथ कुमार, आलोक कुमार, अक्षयबर पांडेय, सत्येंद्र कुमार, सिकंदर कुमार, पंचरत्न प्रसाद गौंड, आलमनाथ भूइया, देवेंद्र कुमार, संतोष कुमार दीक्षित, संजय कुमार शेखर, सरवर खाँ, ओम प्रकाश सिंह, रासबिहारी चौधरी और विनय कुमार आदि शामिल हैं।
- गौरतलब है कि हर साल दो बार राष्ट्रपति पदक पुलिसकर्मियों को दिये जाते हैं। गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के पूर्व नाम तय कर दिये जाते हैं और चयनीत पुलिसकर्मियों के नामों की घोषणा कर दी जाती है। राज्य सरकार और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के द्वारा नामों की अनुशंसा गृह मंत्रालय को भेजी जाती है और मंत्रालय के अधीन स्क्रीनिंग कमेटी इसकी समीक्षा करके नामों का चयन पदक के लिये करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/recommendation-of-the-names-of-29-policemen-of-bihar-for-president-s-medal